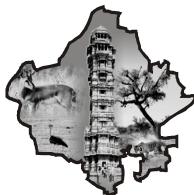


कला सिद्धान्त एवं भारतीय मूर्तिकला

कक्षा 11



संपादन एवं लेखन

रघुनाथ

विभागाध्यक्ष, चित्रकला

सेठ मथुरादास बिनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
नाथद्वारा (राजसमंद)

डॉ. ममता चतुर्वेदी

व्याख्याता, चित्रकला

राजस्थान कॉलेज ऑफ आर्ट,
जयपुर

घनश्याम गोस्वामी

व्याख्याता, चित्रकला

अमर शहीद सागरमल गोपा रा.उ.मा.वि.,
जैसलमेर



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर



प्रकाशक

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

अनुक्रमणिका

खण्ड – 'अ'

अध्याय – 1 : कला परिचय एवं विकास क्रम	2	–	09
अध्याय – 2 : चित्र के तत्त्व	10	–	17
अध्याय – 3 : संयोजन के सिद्धान्त	18	–	26
अध्याय – 4 : चित्र के माध्यम एवं तकनीक	27	–	36

खण्ड – 'ब'

अध्याय – 5 : सिन्धु सभ्यता के मूर्तिशिल्प	38	–	41
अध्याय – 6 : मौर्य, शूंग कुषाण एवं गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प	42	–	75
अध्याय – 7 : मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य	76	–	82
अध्याय – 8 : राजस्थान की मूर्तिकला	83	–	88
अध्याय – 9 : समकालीन भारतीय मूर्तिकला	89	–	100

प्रायोगिक खण्ड

– अंकन एवं अनुर्भावन	101	–	103
– त्रिआयामी एवं द्विआयामी चित्रण	104	–	111

परिशिष्ट

– भारतीय इत्सामिक स्थापत्य	112	–	114
– विशिष्ट परिभाषाएं	115	–	119
– पारिभाषिक शब्दावली	120	–	122
– प्रमुख संग्रहालय	123	–	124
– प्रमुख कला शिक्षण संस्थाएँ	124	–	124